B A O U

ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી

(ગુજરાત સરકાર દ્વારા સ્થાપિત)

"જ્યોર્તિમય" પરિસર,
શ્રી બાલાજી મંદિરની સામે, સરખેજ-ગાંધીનગર હાઈવે,
છારોડી, અમદાવાદ-382 481
E-mail: feedback@baou.edu.in
Website : www.baou.edu.in

સત્રીયકાર્ય ઓગષ્ટ – 2017

અનુસ્નાતક પદવી અભ્યાસક્રમ

(हिन्दी)

MHD-02 - आधुनिक हिन्दी कविता

MHD-03 - उपन्यास और कहानी

MHD-04 - नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

MHD-06 - हिन्दी भाषा और साहित्यका इतिहास

અભ્યાસકેન્દ્રને સોંપવાની છેલ્લી તારીખ

28/02/2018

પ્રિય વિદ્યાર્થી મિત્ર,

M.A. અભ્યાસક્રમમાં પ્રવેશ મેળવવા બદલ આપને અમારા વતી ખૂબ ખૂબ અભિનંદન. આપ દૂરવર્તી શિક્ષણમાં અભ્યાસ કરી રહ્યા છો જેમાં આપની ઉપર અધ્યાપકનું કોઈ અંકુશ નથી. આ પધ્ધતિમાં આપને સ્વંય અનુશાસન અપનાવવું જરૂરી છે. આપને આપના વિષયની ક્રેડીટ અનુસાર આ વિષયમાં દૈનિક 4 કલાક સમય ફાળવવો આવશ્યક છે.

સ્વાધ્યાયકાર્યનું ફોર્મેટ એ આપની સત્રાંત પરીક્ષાના ફોર્મેટ પ્રમાણે જ રાખવામાં આવેલ છે, જેથી અમારી પરીક્ષાની તૈયારી અર્થે યોગ્ય સમજ માટે સ્વાધ્યાયકાર્ય ખૂબ ઉપયોગી છે. સ્વાધ્યાયકાર્યોમાં પૂછવામાં આવેલ પ્રશ્નોના જવાબ આપને મળેલી અભ્યાસ-સામગ્રીમાંથી સીધા જ કોપી કરવાના નથી, આપ જે વાંચન કરો છો, જે સમજો છો, તે આપની પોતાની ભાષામાં લખવાનું રહેશે.

સ્વાધ્યાયકાર્યનું પુનઃમૂલ્યાંકન થતું નથી જો કોઈ વિષયના સ્વાધ્યાયકાર્યમાં ઓછા ગુણ હોય તા ફરીથી લખેલું સ્વાધ્યાયકાર્ય સ્વિકારવામાં આવશે નહીં. જેથી આપ પ્રથમ વખતે જ વ્યવસ્થિત જવાબો લખી જમા કરાવશો. જેથી સારામાં સારા ગુણ મેળવી શકશો અને ઉત્તમ પરિણામ પ્રાપ્ત કરી શકશો.

ખૂબ ખૂબ શુભકામનાઓ સહ,

સ્વાધ્યાયકાર્ય વિભાગ

અગત્યની સૂચનાઓ

- **સ્વાધ્યાયકાર્ય જમા કરાવવાની છેલ્લી તારીખઃ 28/02/2018 છે, તો આ સમય મર્યાદામાં આપે સ્વાધ્યાયકાર્ય લખી જમા કરાવવું જરૂરી છે.**
- **સ્વાધ્યાયકાર્ય જમા કરાવતી વખતે તેની રસીદ લેવી ફરજીયાત છે. જેથી ભવિષ્યમાં સ્વાધ્યાયકાર્યને લગતી કોઈ પૂછપરછ કરવી હોય તેના ઉકેલમાં રસીદ રજૂ કરી શકાય.**
- **તમારા ચેક થઈ ગયેલા સ્વાધ્યાયકાર્ય તમારી સત્રાંત પરીક્ષા પહેલા જ કેન્દ્ર પર રસીદ બતાવી પરત લેવા જેથી પરીક્ષાના વાંચન અર્થે પણ તેને ઉપયોગમાં લઈ શકાય.**
- **M.A. અભ્યાસક્રમના સ્વાધ્યાયકાર્યમાં પાસ થવા માટે 12 ગુણ લાવવા જરૂરી છે, જો તેનાથી ઓછા ગુણ હોય તો તે સ્વાધ્યાયકાર્યમાં વિદ્યાર્થી નપાસ માનવામાં આવશે, અને તે સ્વાધ્યાયકાર્ય નવા સત્રનું મેળવીને ફરીથી લખવાનું રહેશે.**
- **સ્વાધ્યાયકાર્યના ગુણ વગર ફાઈનલ માર્કશીટ મેળવી શકાશે નહીં.**
- **લખેલા સ્વાધ્યાયકાર્ય જમા કરાવતી વખતે તેની સાથે સ્વાધ્યાયકાર્યનું પ્રશ્નપત્ર ફરજીયાત જોડવું.**
- **આ પછીનું પેજ વિદ્યાર્થીએ પ્રિન્ટ કાઢી તેમાં માંગેલ માહિતી ભરી લખેલા સ્વાધ્યાયકાર્યના પ્રથમ પેજ ઉપર લગાવવું.**

डॉ.बाबासाहेब अम्बेडकर ओपन युनिवर्सिटी,

अहमदाबाद

અભ્યાસક્રમનું નામ : MHD

પાઠ્યક્રમનું નામ : _____

નોંધણીનંબર : _____ અભ્યાસકેન્દ્રનું નામ : _____

નામ : _____ અભ્યાસકેન્દ્ર કોડ નં. : _____

સરનામું : _____

_____

_____

મોબાઈલ નંબર : _____

ઈ-મેઈલ : _____

વિદ્યાર્થીની સહી : _____

તારીખ : _____

डॉ.बाबासाहेब अम्बेडकर ओपन युनिवर्सिटी, अहमदाबाद

अभ्यासक्रम : एम्.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम : (MHD-02) आधुनिक हिन्दी कविता

सत्रीयकार्य अगस्त 2017

कुल अंक - 30 **उत्तीर्णांक – 12**

विभाग-क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 800 शब्दों में लिखिए। **(8×1= 8)**

प्रश्नः प्रयोगशीलता का आशय स्पष्ट करते हुए निराला के काव्य में प्रयोगशीलता के विविध रूपों को स्पष्ट कीजिए।

विभाग-ख. निम्नलिखित अंश की व्याख्या / प्रश्नों के उत्तर 400 शब्दों में लिखिए। (4× 2= 8)

प्रश्न 1.मैथिलीशरण गुप्त की काव्य-भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 2. धूमिल के काव्य में अभिव्यक्त राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

विभाग-ग. टिप्पणी लिखिए। (तीन सौ शब्दों में) **(3×3= 9)**

1. अज्ञेय की काव्यभाषा।
2. शमशेर के काव्य में प्रेम और सौंदर्य।
3. रघुवीर सहाय के काव्य में जन पक्षधरिता।

विभाग-घ सूचना अनुसार उत्तर लिखिए। **(0.5×10= 05)**

सूचना 1. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. 'मायादर्पण' और 'जलसाघर' रचनाकार ..... हैं। (श्रीकांत वर्मा, धूमिल, रघुवीर सहाय)
2. ..... प्रयोगवादी-नयी कविता के कवि नहीं हैं। (अज्ञेय, निराला, शमशेर बहादुर सिंह)
3. मैथिलीशरण गुप्त के बाद .....को राष्ट्रकवि कहकर पुकारा गया। (दिनकर, अज्ञेय, धूमिल)

सूचना 2. निम्नलिखित विधानों/वाक्यों के सामने सही $(\surd)$ गलत $(\times)$ के निशान लगाइए।

1. मुक्तिबोध ने अपने लिए फैंटेसी का शिल्प चुना।

2. ‘कामायनी’ का काव्यरूप खण्डकाव्य है।
3. भारतेन्दु की कविताओं में नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना का समुचित समावेश हुआ है।

सूचना 3. सुमेलित कीजिए (उचित जोड़े मिलाइए)।

रचना	**रचनाकार**
साकेत	जयशंकर प्रसाद
कामायनी	मुक्तिबोध
अंधेरे में	निराला
राम की शक्तिपूजा	मैथिलीशरण गुप्त

डॉ.बाबासाहेब अम्बेडकर ओपन युनिवर्सिटी,

अहमदाबाद

अभ्यासक्रम : एम्.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम : (MHD-03) उपन्यास और कहानी

सत्रीयकार्य अगस्त 2017

कुल अंक - 30 **उत्तीर्णांक – 12**

विभाग-क. नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर 800 शब्दों में लिखिए। (8×1= 8)

प्रश्नः गोदान की कथावस्तु लिखते हुए होरी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

विभाग-ख. निम्नलिखित अंश की व्याख्या / प्रश्नों के उत्तर 400 शब्दों में लिखिए। (4X2=8)

प्रश्नः1. आंचलिक उपन्यास के रूप में मैला आँचल समीक्षा कीजिए।

प्रश्नः2. पुरस्कार कहानी के आधार पर मधूलिका का अंतर्द्वंद्व निरूपित कीजिए।

विभाग-ग. टिप्पणी लिखिए। (तीन सौ शब्दों में) (3×3= 9)

1. 'सूखा बरगद' : देश विभाजन की प्रतिध्वनि।
2. 'पिता' कहानी में पारिवारिक संबंधों में बदलता स्वरूप।
3. 'चीफ की दावत' : शीर्षक और उद्देश्य।

विभाग-घ. सूचना अनुसार उत्तर लिखिए। (0.5×10= 05)

सूचना 1. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. ..... ने परिन्दे कहानी को नई कहानी की पहली कहानी माना है।
   (नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय, रामविलास शर्मा)
2. धरती धन न अपना उपन्यास में ..... के दलित जीवन की त्रासदी अभिव्यक्त हुई है।
   (महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात)
3. दलित कहानी सलाम के रचनाकार .....हैं।(सूरजपाल चौहान, रमणिका गुप्ता, ओमप्रकाश वालिमीकि)

सूचना 2. निम्नलिखित विधानों/वाक्यों के सामने उचित **सही** $(\surd)$ **गलत** $(\times)$ **के निशान लगाइए।**

1. 'कर्मनाशा की हार' में प्रगतिवादी विचाराधारा उभरी है।
2. हिन्दी साहित्य में रमणिका गुप्ता की कहानी से दलित कहानी का आविर्भाव माना जाता है।
3. 'तिरिछ' और 'पिता' कहानी में पुरानी पीढ़ी और जीवन-मूल्यों को उद्घाटित किया गया है।

सूचना 3. सुमेलित कीजिए (उचित जोड़े मिलाइए)।

रचना	-	रचनाकार
कर्मनाशा की हार	–	हरिशंकर परसाई
सिक्का बदल गया	–	शिवप्रसाद सिंह
त्रिशंकु	-	कृष्णा सोबती
भोलाराम का जीव	–	मन्नू भंडारी

डॉ.बाबासाहेब अम्बेडकर ओपन युनिवर्सिटी,

अहमदाबाद

अभ्यासक्रम : एम्.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम : (MHD-04) नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

सत्रीयकार्य अगस्त 2017

कुल अंक - 30 **उत्तीर्णांक – 12**

विभाग-क. नीचे दिए गए प्रश्न काउत्तर 800 शब्दों में लिखिए। (8×1= 8)

प्रश्नः'आधे-अधूरे' में आधुनिक शहरी मध्यवर्गीय परिवार की त्रासदी और करुणा की अभिव्यक्ति हुई है— कथन का विवेचन कीजिए।

विभाग-ख. निम्नलिखित अंश की व्याख्या/प्रश्नों के उत्तर 400 शब्दों में लिखिए। (4× 2= 8)

प्रश्नः 1. 'ठकुरी बाबा' में निहित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्नः 2. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' की अन्तर्वस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

विभाग-ग. टिप्पणी लिखिए। (तीन सौ शब्दों में) (3×3= 9)

1. 'लोभ और प्रीति' का प्रतिपाद्य
2. 'तांबे के कीड़े' की प्रतीक योजना
3. 'अदम्य जीवन' की मूल संवेदना

विभाग-घ. सूचना अनुसार उत्तर लिखिए। (0.5×10= 05)

सूचना 1. उचितविकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. 'स्कंदगुप्त' नाटक के रचयिता ....हैं।
   (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र,जयशंकर प्रसाद,मोहन राकेश)
2. 'अंधायुग' का कथ्य ..... आधारित है। (रामायण, उपनिषद, महाभारत)
3. 'कलम का सिपाही' की साहित्यिक विधा ..... है। (जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र)

सूचना 2. निम्नलिखित विधानों/वाक्यों के सामने उचित सही $(\surd)$ गलत $(\times)$ के निशान लगाइए।

1. रंगमंच के अभाव में नुक्कड़ नाटक नहीं खेला जा सकता।
2. रामचन्द्र शुक्ल के निबंध विचार-प्रधान हैं परंतु उनमें हृदयगत भावों की सफल अभिव्यक्ति हुई है।
3. हरिशंकर परसाई ललित निबंधकार हैं।

सूचना 3. सुमेलित कीजिए (उचित जोड़े मिलाइए)।

रचना	**-**	**रचनाकार**
वसंत का अग्रदूत	-	राहुल सांकृत्यायन
किन्नर देश की ओर	–	महादेवी वर्मा
ठकुरी बाबा	-	मोहन राकेश
आषाढ़ का एक दिन	-	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

डॉ.बाबासाहेब अम्बेडकर ओपन युनिवर्सिटी, अहमदाबाद

अभ्यासक्रम : एम्.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम : (MHD-06) हिन्दी भाषा और साहित्यका इतिहास

सत्रीयकार्य अगस्त 2017

कुल अंक - 30 **उत्तीर्णांक – 12**

विभाग-क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 800 शब्दों में लिखिए। **(8×1= 8)**

प्रश्नः निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

विभाग-ख. निम्नलिखित अंश की व्याख्या / प्रश्नों के उत्तर 400 शब्दों में लिखिए। (4× 2= 8)

प्रश्नः1.“स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी के विकास में विविध साहित्यिक आंदोलनों का योगदान” संक्षेप में लिखिए।

प्रश्नः2. प्रगतिशील कविता की प्रमुख विशेषताओं की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

विभाग-ग. टिप्पणी लिखिए। (तीन सौ शब्दों में) **(3×3= 9)**

1. आधुनिक आर्यभाषाओं का वर्गीकरण ।
2. भारतेन्दु युगीन कविता ।

विभाग-घ. सूचना अनुसार उत्तर लिखिए। **(0.5×10= 05)**

सूचना 1. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. हिन्दी साहित्य के प्रथम काल को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने ..... कहा है। (वीरगाथा काल, आदिकाल, सिद्ध-सामंत युग)
2. ..... अष्टछाप कवि नहीं हैं। (नन्ददास, तुलसीदास, कृष्णदास)
3. अपभ्रंश साहित्य का विकास मालवा, गुजरात और .....में हुआ। (उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान)

सूचना 2. निम्नलिखित विधानों/वाक्यों के सामने उचित सही $(\surd)$ गलत $(\times)$ के निशान लगाइए।

1. 'पुरानी हिन्दी' चंद्रधर शर्मा गुलेरी जी का शोधपरक आलेख है।
2. भारतीय संविधान में हिन्दी को राष्ट्रभाषा माना गया है।
3. प्राचीन भारतीय आर्य भाषा का समयकाल 1500 ई.पू. से 500 ई.पू. माना गया है।

सूचना 3. सुमेलित कीजिए (उचित जोड़े मिलाइए)।

रचना	**-**	**रचनाकार**
रामचन्द्रिका	-	सूरदास
सूरसागर	-	धूमिल
संसद से सड़क तक	–	नरेश मेहता
महाप्रस्थान	-	केशवदास